सफलता | देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन नमो भारत को 25 किलोमीटर तक चलाया गया, कोहरे के कारण रफ्तार धीमी रखी गई

पहली बार दुहाई से मेरठ तक दौड़ी हाई स्पीड नमो भारत ट्रेन

गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन नमो भारत (रैपिडएक्स) का शुक्रवार को दुहाई से मेरठ साउथ स्टेशन तक ट्रायल किया गया। ट्रेन को धीमी गति से 25 किलोमीटर तक चलाया गया।

दावा है कि अगले साल मार्च तक साहिबाबाद से मेरठ साउथ तक यात्रियों के लिए ट्रेन का परिचालन शुरू हो जाएगा। अभी इस ट्रेन का परिचालन साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक के 17 किलोमीटर लंबे खंड पर किया जा रहा। इस खंड में रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के चार स्टेशन मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ और मेरठ साउथ हैं। देश की पहली हाईस्पीड ट्रेन नमो भारत शुक्रवार को दुहाई से मेरठ साउथ (परतापुर) पहुंच गई। ट्रायल के दौरान ट्रेन ने 25 किलोमीटर की यह दूरी लगभग तीन घंटे में पूरी की।

कोहरे को देखते हुए नमो भारत ट्रेन का ट्रायल दोपहर बाद शुरू किया गया। इस दौरान रफ्तार धीमी रखी गई। आने वाले दिनों में ट्रेन को अलग-अलग गति से दौड़ाया जाएगा। जनवरी आखिरी में ट्रेन की गति 180 किलोमीटर रखी जाएगी। घने कोहरे में भी यह ट्रेन फुल स्पीड से दौड़ सकेगी। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि शुक्रवार को दुहाई से मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन के बीच दूसरे खंड पर ट्रायल किया गया।

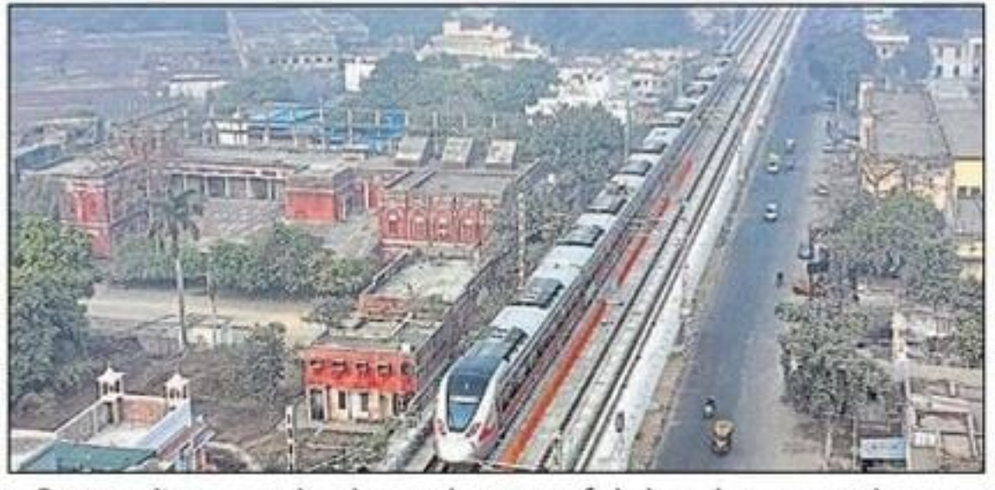

गाजियाबाद में शुक्रवार को नमो भारत ट्रेन का दुहाई से लेकर मेरठ साउथ स्टेशन तक ट्रायल किया गया। इस दौरान ट्रैक और ट्रेन में किसी प्रकार की खामी नहीं मिली।

मेरठ से वापसी में दुहाई तक नहीं आई ट्रेन

दूसरे खंड के जिस हिस्से पर ट्रायल किया गया, उसे मैन्यूअल तरीके से ऑपरेट किया। ट्रायल रन की प्रक्रिया में सबसे पहले मुरादनगर रिसीविंग सब स्टेशन से मेरठ साउथ तक ओएचई को 25 केवी की क्षमता के साथ चार्ज किया। इस दौरान ट्रेन को ट्रेन कंट्रोल मैनेजमेंट सिस्टम (टीसीएमएस) के तहत मैन्यूअल तरीके से ऑपरेट किया गया। ट्रेन के मेरठ साउथ स्टेशन पर पहुंचने के बाद जांच की गई। उसमें कोई खामी नहीं आई। ट्रेन को मेरठ से वापस दुहाई तक नहीं लाया गया।